मारन के राजपत (असाम्रारण) भाग 2, खंड 3, उपबंड (ii) तारीख 3 मार्च, 1988 में प्रकाशित का.मा. 242 (ब) तारीख 3 मार्च, 1988, (X) भारत के राजपत (असाम्रारण), भाग 2, खंड 3, जपखंड (ii) तारीख 7 अप्रल, 1988 में प्रकाशित का.आ. 372 (अ) तारीख 7 अप्रल, 1988।

#### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 72nd July, 1988

S.O. 721(E).—In exercise of the powers conferred by section 4 of the National Oilseeds and Vegetable Oils Development Board Act, 1983 (29 of 1983), the Central Government hereby appoints Dr. S.M. Nehra, House No. 2009, Sector 15-C, Chandigarh, as a member of the National Oilseed; and Vegetable Oils Development Board and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), No. S.O. 153(E) dated the 8th March, 1984, namely :—

In the said Notification, under the heading "Appointed under clause (o) of sub-section (4) of section 4", for serial number 32 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"32. Dr. S.M. Nehra, House No. 2009, Sector 15-C,

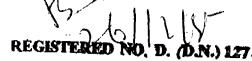
Chandigarh.

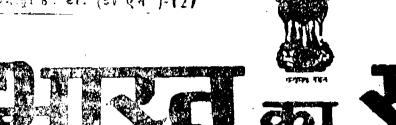
To represent other Member." interests connected with the oilseeds industry and the

vegetable oils industry.

[File No. 1-1/88-CA.VI] USHA VOHRA, Add. Say.

Note:--Principal Notification No. S.O. 153(E), dated the 8th March, 1984 has been subsequently amended by Notification: (i) No. 464(E) dated the 28th June, 1984, published in the Gazette of India (Extraordinary), Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 28th June, 1984; (ii) No. S.O. 518(E) dated the 9th July, 1985, published in the Gazette of Lidia (Extra edinary), Part II, S ction 3. S ib-section (ii) dated the 9th July, 1985; (iii) S.O. 519(E) dated the 9th July, 1985, rablished in the Gazette of India (Extraordinary), 'art II, Section 3, Sub-rection (ii) dated the 9th July, 985; (iv) S.O. 629 (L.) dated the 25th June, 1937, sublished in the Gazette of India (Extraordinary), fart II, Section 3, Sub-section (ii) duted the 25th une, 1987; (v) S.O. 866 (E) dated the 29th Supmber, 1987, published in the Gazette of India Extraordinary), Part II, Section 3, Seb-section (ii) ated the 29th September, 1987, (vi) S.O. 1033 (E) ated the 2nd December, 1937, published in the lazetted of India (Extraordnary) Part II, Section 3, ib-section (ii) dated the 2nd December, 1987; (vii). O. 1121(E) das d'the 28th D'compa, 1987, pubshed in the Gazette of India (Extraordinary), Part , Sistion 3, Sub-section (ii) dated the 28th Decem-.r., 1987; (vini) S O 56(E) dailed the 15th January, 188, published la the Gazette of India (Extraordiiry) Part II, S ction 3, S ib-section(ii) dated the 15th mary, 1988; (ix) S.O. 242(8) dated the 3rd March, 88, published in the Gazette of India (Extraordiry), Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 3rd larch, 1988; (x) S.O. 372(E) dated the 7th April, 88, published in the Gazette of India (Extraordiry), Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the h April, 1988.





# te of India

## असाधारएा

### EXTRAORDINARY,

সানা গা—স্বাস্থয় 3—স্বা-স্থাস্থ (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 375] No. 375] ् नई विरुत्ती, बुधवार, जुलाई 27, 1988/आवण 5, 1910 ETT XVEDNESDAV TITT V 27 1988/SBAVANA 5, 1916

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 27, 1988/SRAVANA 5, 1910

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या की काली हैं जिससे कि यह असग संकलन के कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रेल मंत्रालय (रेलवें बोर्ड) ग्रिधसूचना

नई विल्ली, 27 जुलाई, 1988

का.ग्रा. 722(ग्र):—भारतीय रेस श्रीष्ठितियम, 1890 (1890 का 9) की घारा 47 की जपधारा (1) के (च) एवं (छ) खण्डों द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्ग्रीय सरकार एसब्झारा रेसचे (भाण्डागारण एवं घाढ शुल्क) नियम, 1958 को और ब्रागे संशोधित करते हुए, निम्मलिखित नियम बनाती है, ग्रार्थात्:—

- (1) मे नियम रेलने (भाण्डानारण एवं घाट गुरक) (द्वितीय संसोधन) नियम, 1988 कहे जाएंगे।
- (2) ये सरकारी शाजपन्न में उनके प्रकाशन की शारीख से प्रवृत्त होगें।
- 2. रेसबे (माण्डागारण एवं भाद गुस्क) नियम, 1958 में, नियम 6-(क) के नीचे तालिका के कालम 4 में, मद (i) के सामने वर्तमान इंदराजों के पश्चात्, निम्नलिखित इन्धराज समिनिय्ट किया जाए, सर्वातः—

"लावान के लिए रखे गये वी भ्रो एक्स "एन" माल डिक्बों के समप्र सजूह को विलम्ब गुल्क प्रभार की जसूली के प्रयोजन के लिए एक इकाई के रुप में समझा जाएगा, धर्मात् यदि दो या ग्रधिक के समूह में से एक माल डिक्बे को लवान के लिए निर्धारित समय छूट के बाद रोका गया हो, तब भी समूह के सभी वी भ्रो एक्स "एन" माल डिक्बों पर जिलम्ब गुम्क बसुल किया जाएगा"; (ख) कालम 2 में सब (ii)-(i) के झम्तर्गत, "45 या इनसे झिक्षक की भी एक्स "एन" माल किक्षों के पूर्ण रेक की भिमकों द्वारा उत्तराई किए खाने के मामले में" शब्दों से आरम्भ होने वाले तथा "माल किम्में जलराई के लिए सही स्थित में रखे गए हैं" शब्दों से समान्त होने वाले खंश के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किमा आए, श्रथीत् :--

भी हो एक्स "एन" माल किक्बों के रेक की उतराई के गामले में समय छूट निम्म प्रकार से अनुमत होगी :---

माल विश्वभी की सं.	यौतिक परिचालन	हस्त परिचालन
44 লক	9 कार्य घंडे	9 कार्य चंदे
45 से 54 तक	10 कार्य चंदे	1.1 कार्य भंटे
55 और अधिक	12 कार्य चंडे	13 कार्य घंटे
(६) अयं दकी	।दिकिंगी एवं माल गोबार	रों के संबंध में :-
माल दिव्यों की ही.	योजिक परिचालन	हस्त परिचालन
44 तक <i>-</i>	9 कार्य चंदे	9 कार्य चंटे
45 ग्रीर मधिक	10 कार्य घंटे	11 सार्थ चंटे

(ii) इस नियमों के नियम 2(क)(i) हारा यथा अतिस्थापित, बी भी एक्स "एन" से संबंधित इंबराओं के लिए, कोलम 4 नें; निस्त-लिखित कोड़ा जाए ग्रामित् :—

"लवान के लिए रखे गए की भी एवत "एन" माल डिक्बों के समग्न . समूह को विलम्ब शुरुक प्रभार की बसूली के प्रयोजन के लिए एक इकाई के रुप में समझा जाएगा, अर्थात् यवि को या अधिक के समूह में से एक